

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Govinda Menon): (a) Yes, Sir.

(b) A Statement (Statement I) is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-6466/66].

(c) Another Statement (Statement II) is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-6467/66].

घटिया किस्म के चावल के भाव में बढ़ि

* 49. श्री विभूति मिश्र :

श्री क० ना० तिवारी :

श्री प्र० च० बरद्धा :

श्री च० का० भट्टाचार्य :

श्रीमती सावित्री निगम :

डा० रानेन सेन :

श्री दी० च० शर्मा :

श्री इन्द्रजीत गुप्त :

श्री उदानाथ :

क्या खाद्य, हृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मई, 1966 के बाद घटिया किस्म के चावल का भाव 3 रुपये प्रति किलो बढ़ा दिया है और "मिलो" चावल का भाव सात रुपये प्रति किलो कम कर दिया है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या यह भी सच है कि मुख्य मंत्री इसके पक्ष में थे?

खाद्य, हृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) जी, हाँ।

(ख) कोसे चावल के निर्गम मूल्य में बढ़ि देसी चावल की इक्कामिक्स लापत

बढ़ने और केन्द्रीय स्टाक से इस चावल की बिक्री पर उपदान की मात्रा में आंशिक रूप से कमी करने के कारण की गयी है। जनसंघ्या के गरीब वर्गों को एक सस्ता अनाज सुलभ करने की दृष्टि से माइलो के निर्गम मूल्य में कमी कर दी गयी है।

(ग) मुख्य मंत्री यह मान गये थे कि दो अवस्थाओं में उपदान को बन्द करके कोसे चावल का निर्गम मूल्य बढ़ाया जाए भारत सरकार ने माइलो के निर्गम मूल्य में कमी कुछ राज्य सरकारों से सुझाव मिलने पर की थी।

करतल शीमा योजना

* 50. श्री प्रकाशबीर शास्त्री :

श्री द्वृकम चन्द कल्याण :

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

श्री रघुनाथ तिह :

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :

श्रीमती रेणुका राय :

श्री प्र० च० बरद्धा :

डा० म० मो० दास :

श्री महेश्वर नाथक :

श्री नवल प्रभाकर :

श्री नि० र० लास्कर :

श्री लीलाधर कट्टकी :

श्री रा० बरद्धा :

श्री राम सहाय पांडेय :

श्री वासुदेवन नाथर :

श्री कोल्ला बैकैथा :

श्री विभूति मिश्र :

श्री यशपाल सिह :

श्री रिक्षांग किंशिङ :

श्रीमती रेणु बक्रवती :

श्री मौर्य :

श्री बागड़ी :

श्री प० बैकटासुख्या :

श्री रबीन्द्र वर्मा :